Month wise division of syllabus (पाठ्यक्रम का विभाजन)

सत्र - 2023-24

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग

कक्षा - एम. ए. (हिन्दी) सेमेस्टर - IV

प्रश्नपत्र - 16

(आधुनिक हिन्दी काव्य : छायावादोत्तर काल)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	➢ बिहारीलाल के काव्य (काव्यकान्ति) की व्याख्या ➢ बिहारी और उनका काव्य : परिचय और विशेषताएँ ➢ सतसई परंपरा और बिहारी सतसई ➢ बिहारी सतसई : मूल प्रतिपाद्य ➢ बिहारी सतसई : भक्ति, नीति और शृंगार का समन्वय ➢ बिहारी की अर्थवत्ता ➢ बिहारी सतसई : काव्य शिल्प ➢ भूषण का सामान्य परिचय

मार्च	➢ मीराबाई के काव्य (काव्यकान्ति) की व्याख्या ➢ मीराबाई और उनका काव्य ➢ मीराबाई के काव्य के दार्शनिक सिद्धांत ➢ मीराबाई के काव्य में भक्ति का स्वरूप ➢ मीराबाई की वाणी का काव्य सौष्ठव ➢ हिन्दी कृष्ण काव्य परंपरा में मीराबाई का स्थान ➢ गुरु गोबिन्द सिंह जी का सामान्य परिचय
अप्रैल	➢ तुलसीदास के काव्य (काव्यकान्ति) की व्याख्या ➢ तुलसीदास और उनका काव्य परिचय ➢ तुलसीदास की समन्वय भावना और लोकनायकत्व ➢ तुलसी की भक्ति भावना ➢ तुलसी के दार्शनिक सिद्धांत ➢ रामचरितमानस का साहित्यिक मूल्यांकन ➢ विनय पत्रिका : मूल प्रतिपाद्य और शिल्प ➢ कवितावली : मूल प्रतिपाद्य

❖ **सहायक पुस्तकें**

1. पुस्तक का नाम - काव्यकान्ति

   लेखक / संपादक - प्रो. सुधा जितेंद्र

   प्रकाशक - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।

प्रश्नपत्र - 17

(आधुनिक गद्य साहित्य)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न

हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	❖ व्याख्या एवं विवेचना :- ➢ कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, ➢ लोकमंगल की साधनावस्था ➢ अशोक के फूल ➢ गेंहू बनाम गुलाब ➢ सौंदर्य की उपयोगिता ➢ मेरे राम का मुकुट भीग रहा है ➢ पगडंडियों का ज़माना ➢ आधे अधूरे (मोहन राकेश) ➢ मेरी आत्मकथा (महात्मा गांधी)
मार्च	➢ निबंध विधा : स्वरूप और वैशिष्ट्य ➢ हिन्दी निबंध : विकास यात्रा ➢ उपेक्षित पात्रों का सरोकार : कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता ➢ काव्य के लोकमंगल की साधनावस्था में शुक्ल जी द्वारा प्रेषित प्रतिपाद्य ➢ भारतीय संस्कृति, इतिहास और जीवन की गाथा : अशोक के फूल निबंध ➢ गेंहू बनाम गुलाब : मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य ➢ सौंदर्य की उपयोगिता : साहित्य, सौंदर्य और कला के अंत: सम्बन्धों का प्रश्न ➢ मेरे राम का मुकुट भीग रहा है : लेख का प्रतिपाद्य ➢ पगडंडियों का ज़माना : आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य । ➢ निबंधकार प्रताप नारायण मिश्र का सामान्य परिचय।

अप्रैल	➢ हिन्दी नाटक : विकास यात्रा ➢ आधे अधूरे : मध्यवर्गीय पारिवारिक त्रासदी ➢ आधे-अधूरेपन के विविध आयाम ➢ विचारधारा तथा कथ्य चेतना ➢ अस्तित्ववादी चेतना ➢ भाषागत उपलब्धियां ➢ नाटक और रंगमंच का रिश्ता - मोहन राकेश की दृष्टि और आधे-अधूरे का आधार ➢ मोहन राकेश की नाट्यभाषा और आधे-अधूरे : नये नाट्य प्रयोग का संदर्भ ➢ नाटककार भारतेन्दु हरिश्चंद्र का सामान्य परिचय ➢ आत्मकथा : स्वरूप, तत्व तथा प्रकार ➢ आत्मकथा कला के आधार पर 'मेरी आत्मकथा' का मूल्यांकन ➢ 'मेरी आत्मकथा' के संदर्भ में गांधी जी का व्यक्तित्व विश्लेषण ➢ आत्मकथाकार - यशपाल का सामान्य परिचय

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - निबंध विविधा
   लेखक/संपादक - डॉ. हरमोहन लाल 'सूद'
   प्रकाशन - वागीश प्रकाशन, जालंधर ।
2. पुस्तक का नाम - आधे-अधूरे (नाटक)
   लेखक/संपादक - मोहन राकेश
   प्रकाशक - राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
3. पुस्तक का नाम - मेरी आत्मकथा
   लेखक/संपादक - महात्मा गांधी

प्रश्नपत्र - 18

(हिन्दी भाषा और देवनागरी लिपि)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	➢ हिन्दी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि ➢ प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएं : वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का सामान्य परिचय ➢ मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएं - पालि, प्राकृत, शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश का संक्षिप्त परिचय ➢ आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण ➢ हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास ➢ हिन्दी का भौगोलिक विस्तार ➢ हिन्दी की बोलियाँ : स्वरूपगत संक्षिप्त परिचय
मार्च	➢ हिन्दी का भाषिक स्वरूप : हिन्दी शब्द रचना - उपसर्ग, प्रत्यय, समास ➢ हिन्दी की व्याकरणिक कोटियाँ - लिंग, वचन, कारक, पुरुष, वाच्य ➢ हिन्दी वाक्य रचना - पदक्रम और अन्विति
अप्रैल	➢ भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय ➢ देवनागरी लिपि : स्वरूप, विशेषताएँ एवं सीमाएं, संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रयास

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिन्दी भाषा
   लेखक/संपादक - डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, डॉ. उदय प्रताप सिंह
   प्रकाशक - मीनाक्षी प्रकाशन, मेरठ

प्रश्नपत्र - 19

(राजभाषा प्रशिक्षण)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	➢ प्रशासन : व्यवस्था और भाषा ➢ भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता ➢ राजभाषा की प्रकृति ➢ राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान ➢ राजभाषा अधिनियम (अनुछेद 343 से 351 तक) ➢ राष्ट्रपति के आदेश (1952ए, 1955ए, 1960) ➢ राजभाषा अधिनियम 1963, यथा संशोधित 1967 ➢ राजभाषा संकल्प (1968) यथानुमोदित (1961) ➢ राजभाषा अधिनियम 1976 ➢ द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र ➢ हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिन्दी की स्थिति ➢ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिन्दी ➢ हिन्दी के प्रचार-प्रसार में हिन्दी सेवी संस्थाओं का योगदान ➢ हिन्दी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या

मार्च	➢ हिन्दी आलेखण, टिप्पण, संक्षेपण, पत्राचार ➢ कार्यालय अभिलेखों के हिन्दी अनुवाद की समस्या ➢ हिन्दी कंप्यूटरीकरण ➢ हिन्दी संकेताक्षर और कूटपद निर्माण
अप्रैल	➢ हिन्दी में वैज्ञानिक और तकनीकी पारिभाषिक शब्दावली ➢ केंद्र एवं राज्य शासन के विभिन्न मंत्रालयों में हिंदीकरण की प्रगति ➢ बैंकिंग, बीमा और अन्य वाणिज्यक क्षेत्रों में हिन्दी अनुप्रयोग की स्थिति ➢ विधिक क्षेत्र में हिन्दी ➢ सूचना प्रोद्योगिकी के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी और देवनागरी लिपि ➢ भूमंडलीकरण के परिप्रेक्ष्य में हिन्दी का भविष्य

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - राजभाषा हिन्दी : परिचय एवं प्रशिक्षण
   लेखक/संपादक - डॉ. देवेन्द्र कुमार

प्रश्नपत्र - 20

(विकल्प एक : उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन)

आवश्यक निर्देश - पाठ्यक्रम में निर्दिष्ट समान अंकों के 8 प्रश्न होंगे, जो चार खंडों (ए-डी) में विभाजित होंगें । प्रश्नों को उपभागों में (चार से अधिक नहीं) विभाजित किया जा सकता है । विद्यार्थी को प्रत्येक खंड में से एक प्रश्न हल करना आवश्यक होगा । कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य होंगे । पांचवा प्रश्न किसी भी खंड में से हल किया जा सकता है ।

MONTH WISE DIVISION	SYLLABUS UNITISATION
जनवरी-फरवरी	➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी (निर्धारित पुस्तक) की व्याख्या ➢ गुरु तेग बहादुर जी : व्यक्तित्व और कृतित्व ➢ गुरु काव्यधारा : परंपरा और विकास ➢ हिन्दी साहित्य में गुरु तेग बहादुर जी का स्थान ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की मूल संवेदना ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का काव्य-दर्शन
मार्च	➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का समाजशास्त्री अध्ययन ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी और भारतीय संस्कृति ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ
अप्रैल	➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का परवर्ती पंजाबी साहित्य पर प्रभाव ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग-योजना ➢ गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की प्रगतिशीलता

❖ सहायक पुस्तकें

1. पुस्तक का नाम - वाणी गुरु तेग बहादुर जी

प्रकाशक - शिरोमिणी गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी, अमृतसर ।